परेशानी | नारायणगंज बस स्टैंड पर अतिक्रमण और ऑटो चालकों की मनमानी से यात्री हो रहे परेशान

यात्रियों की बढ़ी मुश्किलें, बस चालकों ने बस स्टैंड से बनाई दूरी

मंडला 22 जुलाई नभाप्र. मंडला जिले के नारायणगंज विकासखंड में यात्रियों की सुविधा के लिए संचालित बस स्टैंड इन दिनों गहरे संकट में है। अतिक्रमण और ऑटो चालकों की मनमानी के कारण यह बस स्टैंड पूरी तरह से अव्यवस्था का शिकार हो गया है, जिसका सीधा खामियाजा आम यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि यात्री बस संचालकों ने बस स्टैंड में आना ही बंद कर दिया है, जिससे मंडला से जबलपुर जाने वाले यात्रियों की मुश्किलें कई गुना बढ़ गई हैं। जानकारी अनुसार नारायणगंज बस स्टैंड लंबे समय से अतिक्रमण की चपेट में है। बस स्टैंड के चारों ओर अवैध दुकानों और ऑटो चालकों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे यात्री बसों की आवाजाही में भारी परेशानी होती है। जिस जगह पर यात्री बसों को खड़ा होना चाहिए, वहां ऑटो चालक बेतरतीब तरीके से अपने वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे अक्सर विवाद की स्थिति निर्मित होती है। केवल बस स्टैंड परिसर ही नहीं, बल्कि नारायणगंज बस स्टैंड से हाईवे मुख्य मार्ग तक मैली चौराहा और टिकरिया चौराहा जाने वाले रास्तों पर भी ऑटो का अत्यधिक जमावड़ा रहता है, जिससे यात्री वाहनों को आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।

बस चालक और ऑटो चालक के बीच विवाद

बस चालक और ऑटो चालक के बीच सोमवार शाम करीब 4.45 बजे हुआ विवाद से अब यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई है। बताया गया है कि सोमवार शाम मंडला से जबलपुर जाने वाली एक यात्री बस नारायणगंज बस स्टैंड पहुंची। जहां बस स्टैंड परिसर में एक सवारी ऑटो इस प्रकार खड़ा था कि यात्री बस को अपनी निर्धारित जगह पर खड़े होने में परेशानी हो रही थी। ऑटो चालक वाहन को वहीं खड़ा कर कहीं चला गया था, जिसके कारण बस चालक को मजबूरन उस ऑटो को किनारे करना पड़ा जिससे वह बस को अपने स्थान पर खड़ा कर सके और नारायणगंज के यात्रियों को उतारकर आगे जाने वाले यात्रियों को बैठा सके। इसी बीच ऑटो चालक वापस आया और अपने ऑटो को अलग करने पर बस चालक और परिचालक से विवाद करने लगा। ऑटो चालक का कहना था कि जहां से ऑटो अलग किये हो ऑटो वहीं खड़ा करो और यह विवाद देखते ही देखते इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुंच गया। इस घटना ने मंडला से जबलपुर चलने वाले सभी यात्री बस संचालकों में भारी आक्रोश है। जिसके कारण सभी यात्री बसें नारायणगंज बस स्टैंड के अंदर आना मंगलवार सुबह से बंद कर दी है।

बस सेवा हुई ठप, यात्रियों की बढ़ी परेशानी

इस घटना के बाद उपजे आक्रोश के चलते मंगलवार सुबह से ही सभी यात्री बसों ने नारायणगंज बस स्टैंड आना बंद कर दिया है। मंडला से जबलपुर और जबलपुर से मंडला जाने वाली सभी यात्री बसें अब हाईवे से सीधे गुजर रही हैं। इससे नारायणगंज आने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बस स्टैंड तक पहुंचने के लिए अब यात्रियों को करीब दो किलोमीटर पैदल चलना पड़ रहा है। ऑटो चालकों और बस चालकों के बीच हुए इस विवाद का खामियाजा पूरी तरह से आम जनता को भुगतना पड़ रहा है, जो अपनी दैनिक यात्रा के लिए इन बसों पर निर्भर हैं।

समस्या पर ध्यान देने की मांग

स्थानीय निवासियों और यात्रियों ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस को इस समस्या को तत्काल संज्ञान लेने की बात कही है। इसके साथ ही बस स्टैंड से अतिक्रमण हटाना और ऑटो चालकों के लिए उचित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, जिससे यात्रियों को असुविधा ना हो और बस सेवा सामान्य रूप से संचालित हो सके। यदि जल्द ही कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए तो यह समस्या और भी विकराल रूप ले सकती है, जिससे क्षेत्र की यातायात व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ सकती है।

बंजर नदी में बहता दिखा बाघ, खापा रेंज में मृत मिला बाघ

लगातार बारिश के बीच वन विभाग और एसडीआरएफ की टीम को करनी पड़ी मशक्कत

मंडला 22 जुलाई नभाप्र. मंडला जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। बंजर नदी में एक बाघ बहता हुआ दिखाई दिया है। सोशल मीडिया में वायरल हो रहे एक वीडियो में स्पष्ट रूप से बाघ का शव पानी में बहता हुआ दिख रहा था। आशंका जताई जा रही है कि यह बाघ कान्हा टाइगर रिजर्व के मुक्की जोन से बाढ़ के पानी में बह गया है। बंजर नदी में बाघ को बहते हुए देखे जाने की सूचना मिलते ही पार्क प्रबंधन में हड़कंप मच गया और तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी गई।

जानकारी अनुसार बंजर नदी में बहे बाघ की जानकारी के बाद कान्हा प्रबंधन ने सोमवार रात करीब 9.30 बजे एसडीआरएफ और रेस्क्यू टीम को सूचना दी। सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम नदी के किनारों पर गहन तलाशी अभियान शुरू किया। इसके साथ ही रात्रि में एसडीआरएफ की एक टीम खटिया क्षेत्र में बाघ की तलाश के लिए रवाना हुई। प्लाटून कमांडर हेमराज परस्ते के नेतृत्व में बचाव दल बाघ की तालाश रात्रि में जारी रखी, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी।

खापा रेंज के हर्राभाट ग्राम में मिल बाघ का शव

बताया गया कि वायरल वीडियो में दिखे बाघ का शव मंगलवार सुबह खापा रेंज के हर्राभाट क्षेत्र से रेस्क्यू टीम ने बरामद कर लिया है। इसी जानकारी विभाग को दी गई। जानकारी मिलते ही पार्क प्रबंधन, वन विभाग और एसडीआरएफ की संयुक्त टीम ने बाघ के शव को कब्जे में ले लिया है और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल बाघ की मौत के कारणों की जांच की जा रही है। वन विभाग ने आसपास के इलाके में निगरानी बढ़ा दी है और इस पूरे घटनाक्रम की एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है। यह घटना वन्यजीव संरक्षण के प्रयासों पर कई सवाल खड़े कर रही है।

बाघ की तालाश में रात जुटी रही रेस्क्यू टीम

रात के अंधेरे और घने जंगली क्षेत्र के कारण पार्क प्रबंधन के गश्ती दल और एसडीआरएफ की टीम को तलाशी अभियान में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बाघ आमतौर पर कुशल तैराक होते हैं, ऐसे में उसके नदी में डूबने की संभावना कम मानी जाती है। इसलिए यह आशंका भी जताई जा रही है कि नदी में बहने से पहले ही बाघ की मौत हो चुकी होगी और बाढ़ के कारण उसका शव बह गया हो। पार्क और एसडीआरएफ की टीम लगातार बाघ की तलाश में रातभर जुटी रही।

हिरदेनगर से सूर्यकुण्ड धाम तक गूंजी बम-बम भोले की गूंज

कांवड़ यात्रा में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम हुए शामिल

मंडला 22 जुलाई नभाप्र. हिरदेनगर के शिव मंदिर बर्रा टोला से एक भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया, जिसने पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का संचार किया। यह यात्रा हिरदेनगर से शुरू होकर सूर्यकुण्ड धाम तक पहुंची।

सूर्यकुण्ड धाम में श्रद्धालुओं ने पवित्र मां नर्मदा का जल कलश में भरा। इसके बाद बम बम भोले के जयकारों की गुंजायमान ध्वनि के साथ कांवड़ यात्रा जगह-जगह रुकते हुए भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते रहे। यह यात्रा मार्ग भर भक्तिमय वातावरण बनाए रही। जिससे स्थानीय लोग भी खासे उत्साहित दिखे। यात्रा का समापन वापस हिरदेनगर शिव मंदिर में हुआ, जहां विधिवत पूजा-अर्चना के साथ इस पवित्र आयोजन का समापन किया गया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम भी कांवड़ यात्रा में शामिल हुए और श्रद्धालुओं का उत्साहवर्द्धन किया।

घुघरी में कृषि विस्तार अधिकारी की अनूठी पहल, खेतों में उतरकर किसानों का बढ़ाया हौसला

बीज वितरण से आगे बढ़कर श्री विधि से रोपा लगाने में भी दे रहे साथ, किसानों में जगा विश्वास

घुघरी 22 जुलाई नभाप्र. जिले के घुघरी विकासखंड में पदस्थ कृषि विस्तार अधिकारी शैलेन्द्र सैयाम ने किसानों के साथ एक अनोखा और प्रेरणादायक जुड़ाव स्थापित किया है। वे सिर्फ सरकारी योजनाओं की जानकारी देने या बीज वितरण तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वह स्वयं किसानों के साथ खेतों में उतरकर काम कर रहे हैं, जिससे किसानों का विश्वास और उत्साह दोनों बढ़ रहे हैं। बताया गया कि कृषि विस्तार अधिकारी शैलेन्द्र सैयाम ने डोंगरमंडला सेक्टर के ग्राम गजराज में किसान हेमलता धुर्वे के खेत में महिलाओं के साथ मिलकर खार खोदी और धान का रोपा भी लगाया। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं को श्री विधि से रोपा लगाने की तकनीक सिखाई। कृषि विस्तार अधिकारी शैलेन्द्र ने इस विधि में पौधों के बीच निश्चित दूरी रखने और एक स्थान पर केवल एक ही पौधा लगाने की पद्धति बताई। जिससे धान की पैदावार में वृद्धि होती है। यह पहली बार नहीं है जब कृषि विस्तार अधिकारी ने ऐसी पहल की है, इससे पहले भी वे ग्राम कटंगी और झिगरघटा में भी किसानों के खेतों में धान का परहा रोपा लगा चुके हैं। शैलेन्द्र सैयाम कृषि विभाग की ओर से किसानों को रागी, कोदो, कुटकी और अरहर के बीज मिनीकिट भी वितरित करते हैं। ये वितरण स्थानीय सरपंचों और जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ किए जाते हैं, जिससे किसानों में सरकारी योजनाओं के प्रति विश्वास हो सके। कृषि विस्तार अधिकारी अपने क्षेत्र के गांवों का लगातार दौरा करते हैं और किसानों के साथ सीधा संपर्क बनाए रखते हुए उन्हें खेती से जुड़ी जरूरी सलाह और मार्गदर्शन देते है। शैलेन्द्र सैयाम ने बताया कि यह सब उपसंचालक कृषि अश्वनी झारिया के निर्देशों और वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अशोक भलावी के मार्गदर्शन में संभव हो पा रहा है। इस पहल में कृषि विभाग से परशराम झारिया, नवीन झारिया और मेघा झारिया ने भी सहयोग दिया। शैलेन्द्र सैयाम किसानों को कृषि यंत्र खरीदने और राष्ट्रीय पोषण एवं अनाज मिशन योजनाओं में पंजीकरण कराने की सलाह दे रहे हैं। साथ ही किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए भी प्रेरित कर रहे हैं, जिससे पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा मिल सके।

अमृत मित्र वूमेन फॉर ट्री के तहत 20 पौधे रोपे

आदर्श नेहरू प्राथमिक शाला में हुआ पौधरोपण कार्यक्रम

नैनपुर 22 जुलाई नभाप्र. नैनपुर स्थित आदर्श नेहरू प्राथमिक शाला में अमृत मित्र वूमेन फॉर ट्री अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान स्कूल परिसर में 20 विभिन्न पौधों का रोपण किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को पर्यावरण के महत्व के बारे में जागरूक करना और विद्यालय परिसर को हरा-भरा बनाना था। इस कार्यक्रम में नपा अध्यक्ष कृष्णा पंजवानी, पार्षद राजाराम शर्मा, नितिन ठाकुर, अजीत चौधरी समेत गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इनके साथ ही कन्हैया चावला, राकेश रजक, देवेंद्र मिश्रा, शिक्षकगण और नगर पालिका के कर्मचारी भी इस पर्यावरण संरक्षण पहल का हिस्सा बने। इस पहल से न केवल स्कूल का वातावरण बेहतर होगा, बल्कि बच्चों में बचपन से ही प्रकृति के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित होगी।

मवई में बढ़ रही मोटे अनाज और तिलहन की खेती

उद्योगिनी संस्था और कोटक परियोजना के तहत ग्रामीण महिलाओं को दिए जा रहे उन्नत बीज

मंडला 22 जुलाई नभाप्र. उद्योगिनी संस्था ने महिंद्रा कोटक परियोजना के साथ मवई के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में मोटे अनाज और तिलहन फसलों को बढ़ावा देने का सराहनीय कार्य शुरू किया है। इस परियोजना के अंतर्गत कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन भारती धुर्वे अपने चयनित 30 गाँवों में किसानों खासकर ग्रामीण महिलाओं को सशक्त कर रही हैं। भारती धुर्वे गाँव-गाँव जाकर दीदीयों को मोटे अनाज की उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध करा रही हैं। इतना ही नहीं उन्हें वैज्ञानिक तरीके से बुवाई करने की विधि भी सिखाई जा रही है। दीदीयों को बताया जा रहा है कि फसल की बेहतर पैदावार के लिए बीज को लाइन में और पौधे से पौधे की दूरी लगभग 10 सेंटीमीटर रखना कितना ज़रूरी है। परियोजना का मुख्य फोकस जैविक खेती पर है। दीदीयों को मोटे अनाज की फसलों पर जैविक खाद के छिड़काव और बीमारी होने पर जैविक दवाइयों का उपयोग करने की सलाह दी जा रही है। इससे न केवल उत्पादन बढ़ेगा बल्कि जमीन की उर्वरता भी बनी रहेगी और स्वस्थ अनाज का उत्पादन होगा। उद्योगिनी संस्था की यह पहल स्थानीय किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें टिकाऊ कृषि पद्धतियों की ओर मोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

42 छात्र-छात्राओं को मिली साईकिलें

संदीपनी विद्यालय घुघरी में भाजपा नेताओं की उपस्थिति में साईकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित

घुघरी 22 जुलाई नभाप्र. घुघरी के संदीपनी हायर सेकेंडरी स्कूल में साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें कक्षा 6वीं और 9वीं के 42 छात्र-छात्राओं को साइकिलें वितरित की गईं। साइकिल वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा जिला महामंत्री नीरज मरकाम, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र धुर्वे और पूर्व मंडल अध्यक्ष शंभू प्रसाद साहू मौजूद रहे।

अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों को साइकिलें वितरित की गईं और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। इस अवसर पर संदीपनी हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य एमके चौधरी सहित विद्यालय के सभी शिक्षक और शिक्षिकाएं भी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सक्रिय योगदान दिया। स्कूल प्रबंधन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की इस संयुक्त पहल की सराहना की जा रही है। यह पहल ग्रामीण शिक्षा को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक सकारात्मक पहल है।

कुएं में गिरे बाघ का 2 घंटे में सफल रेस्क्यू कर निकाला बाहर

मालखेड़ी गांव में ग्रामीणों की सूझबूझ और वन विभाग की त्वरित कार्रवाई से बची बाघ की जान

मंडला 22 जुलाई नभाप्र. मंडला जिले में कान्हा टाइगर रिजर्व के वन परिक्षेत्र आशिकारी खापा को विगत 21 और 22 जुलाई की दरमियानी रात करीब 12.30 बजे सूचना मिली कि ग्राम मालखेड़ी में एक ग्रामीण के घर के पास स्थित कुएं में एक बाघ गिर गया है। इसकी सूचना तत्काल वन विभाग को दी गई। सूचने मिलने के बाद तत्काल वन विभाग सक्रिय हो गया और मौका स्थल पर पहुंच गया। बताया गया कि परिक्षेत्र अधिकारी ने बिना समय गंवाए इसकी सूचना अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दी। कान्हा टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तत्काल सहायक संचालक मलाजखंड और सिझोरा का एक संयुक्त दल गठित कर बाघ को सुरक्षित रेस्क्यू करने के निर्देश दिए। बताया गया कि निर्देश मिलते ही दल तुरंत घटना स्थल मालखेड़ी गांव पहुंचा। जहां टीम ने विभागीय संसाधनों के साथ स्थानीय संसाधनों और ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। वनकर्मियों की सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई के बाद मात्र दो घंटे के भीतर रात्रि 2.45 बजे तक बाघ को कुएं से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। कुएं से निकलते ही बाघ स्वयं ही पास के वन क्षेत्र की ओर चला गया। इस सफल रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद कान्हा टाइगर रिजर्व के अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्थानीय ग्रामीणों को सुरक्षित और सतर्क रहने के लिए रात में ही घर-घर जाकर जागरूक किया। बताया गया कि इस घटना के बाद कान्हा टाइगर रिजर्व के अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रियता से एक वन्यजीव को बचाया जा सका। इसके साथ ही जागरूक ग्रामीणों की समय पर सूचना ने भी बाघ की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रजा स्मृति में हुई भरतनाट्यम और ओडिसी नृत्य की अनोखी जुगलबंदी

मंडला 22 जुलाई नभाप्र. रजा स्मृति 2025 की सांस्कृतिक संध्या में आरडी कॉलेज के सभागार में प्रसिद्ध भरतनाट्यम नृत्यांगना आरोही मुंशी व प्रसिद्ध ओडिसी नृत्यांगना अरुणिमा घोष अपनी भारतीय शास्त्रीय नृत्य का प्रदर्शन किया गया। इस युगल प्रस्तुति का आरम्भ आदि शंकराचार्य रचित नर्मदाष्टकम् से हुआ। इसके बाद दोनों नृत्यांगनाओ द्वारा स्वस्ति की प्रस्तुत दी गई जो स्वर्गीय सैयद हैदर रजा की 2016 में बनायी गई चित्रकृति स्वस्ति पर आधारित नृत्यरचना थी। यह एक महान कलाकार को नृत्य-प्रणति थी। इसके लिए विशेष संगीत रचना सुधा रघुरमन ने की थी जिसमें राग जोग, वृन्दावनी सारंग और शुद्ध सारंग का आधार लिया और स्वस्ति-मंगल को व्यक्त किया गया।

इसके बाद स्वर पल्लवी की प्रस्तुति हुई जिसमें लय के कई रूपाकार और ज्यामिति का प्रयोग होगा जिसके संगीत की रचना सुधा रघुरमन ने की। कार्यक्रम में नृत्यांगना अरूणिमा घोष और आरूषि मुंशी ने भारत नाट्यम एवं ओडिशी नृत्य शैली में नृत्य प्रस्तुत किये। दोनों नृत्यांगनाओं ने दोनों शैलियों का अद्भुत संगम अपने नृत्य कौशल से स्टेज पर दिखाया। इस आयोजन में रजा फाउंडेशन के प्रबंध न्यासी अशोक बाजपाई, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, सीईओ जिला पंचायत श्रेयांस कूमट के साथ रजा स्मृति में आए सभी कलाकार, कवि और स्थानीय कलाप्रेमी उपस्थित रहे।

प्रदर्शन | डबल लॉक सिस्टम से परेशान किसानों एनएच 30 में किया हंगामा, शासन की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

किसानों ने खाद वितरण प्रणाली के विरोध में किया चक्का जाम

भुआबिछिया 22 जुलाई नभाप्र. जिले के बिछिया में रासायनिक खाद वितरण को लेकर किसानों का गुस्सा सड़क पर उतर आया। आदिवासी बाहुल्य जिले में लागू डबल लॉक प्रणाली से खाद वितरण की व्यवस्था के विरोध में आक्रोशित किसानों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर लगभग एक घंटे तक चक्का जाम कर दिया, जिससे यातायात बाधित हो गया। किसानों का यह प्रदर्शन शासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

किसानों का आरोप है कि शासन द्वारा कृषकों को उपलब्ध कराई जाने वाली खाद डबल लॉक सिस्टम के तहत वितरित की जा रही है, जिससे उन्हें अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसी परेशानी से त्रस्त होकर किसानों ने मंगलवार को बिछिया में धरना प्रदर्शन किया और राजमार्ग अवरुद्ध कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन आनन-फानन में मौके पर पहुंचा और किसानों को समझा-बुझाकर स्थिति को शांत किया।

बताया गया कि यह चक्का जाम किसानों की ओर से खाद वितरण प्रणाली की विफलता और नाकामी की ओर इंगित कर रहा है। किसानों का कहना है कि चार दिन पहले शुक्रवार को भी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया ने बिछिया विधानसभा विधायक नारायण सिंह पट्टा के नेतृत्व में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया था। उस दौरान भी डबल लॉक प्रणाली के माध्यम से हो रही खाद वितरण का विरोध जताया गया था। कांग्रेस ने खाद की कमी को दूर करने और लैंप्स सहकारी समितियों के माध्यम से खाद वितरण करने की मांग की थी, लेकिन इन मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिसके कारण किसानों को सड़क पर उतरना पड़ा। किसानों का कहना है कि यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

इनका कहना है

खाद वितरण डबल लाक प्रणाली खाद की कमी के विरोध में 4 दिनों पूर्व ही धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया था जिसमें विधायक नारायण सिंह पट्टा के द्वारा खाद की कमी और किसानों को होने वाली समस्याओं को लेकर कलेक्टर मंडला को अवगत कराया गया था जिस पर कार्यवाही करते हुए तुरंत जांच कराई गई और जांच में पाया गया कि खाद किसानों के नाम पर खाद व्यापारियों को दी जा रही है।

प्रदीप गोस्वामी, अध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

जिला शिक्षा केन्द्र, समग्र शिक्षा अभियान

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी भवन प्रथम तल, जिला मण्डला (म.प्र.)

प.क्र./एस.एस.ए./ईएण्ड.आर./2025/ मण्डला, दिनांक : /07/2025

बालक छात्रावास पीपरपानी (मंडला) में सहायक वार्डन पद हेतु विज्ञापन

जिले में समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत संचालित नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक छात्रावास पीपरपानी (मंडला) से 10 किलो मीटर की परिधि में आने वाली समस्त शासकीय प्राथमिक/माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत सहायक शिक्षक/प्राथमिक शिक्षक (पुरूष) को सहायक वार्डन पद हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। उक्त पद हेतु अर्हताएँ निम्नानुसार है:-

1. स्कूल शिक्षा विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग में कार्यरत सहायक शिक्षक/प्राथमिक शिक्षक।
2. सहायक वार्डन के पद पर कार्य करने हेतु न्यूनतम आयु सीमा 35 वर्ष होगी।
3. सहायक वार्डन के पद पर शैक्षणिक योग्यता स्नातक एवं डीएड/बीएड को प्राथमिकता।
4. शैक्षणिक पद पर कार्य करने का 10 वर्ष का अनुभव।
5. आवेदन की कोई विभागीय जांच प्रचलित न हो तथा पूर्व में किसी अनियमितता के कारण दंडित न हुआ हो।
6. आवेदक बालक की देखभाल करने में सक्षम हो एवं उनकी पढ़ाई में भी सहायता कर सके।
7. आवेदक छात्रावास में पूर्णकालिक रूप से रहने हेतु सहमत, सेवाभावी एवं सहृदय हो।

आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक 30 जुलाई 2025 तक कार्यालयीन समय अपरान्ह 2 बजे तक।

नोटः- आवेदन पत्र का प्रारूप कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र मण्डला से निःशुल्क प्राप्त किया जाकर पूर्णतः भरकर समस्त दस्तावेजों सहित उक्त कार्यालय में जमा करें। विस्तृत दिशा निर्देश एवं आवेदन पत्र कार्यालय में उपस्थित होकर प्राप्त किये जा सकते है।

जिला परियोजना समन्वयक
जिला शिक्षा केन्द्र मण्डला